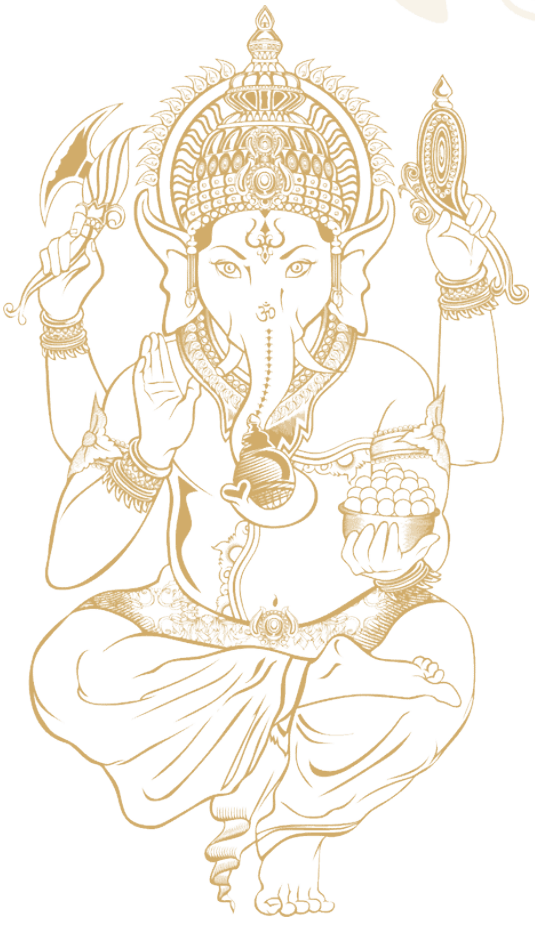

Mr.surabhmishra

07 Jan 1984

02:15 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120351802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**6-07/01/1984**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**02:15:00 घंटे**
इष्ट	47:29:45 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:53:52 घंटे
वेलान्तर	-00:05:29 घंटे
साम्पातिक काल	08:56:22 घंटे
सूर्योदय	07:15:06 घंटे
सूर्यास्त	17:38:20 घंटे
दिनमान	10:23:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	22:05:45 धनु
लग्न के अंश	14:49:04 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सिद्धि
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गू-गूजरमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	14:49:04	309:29:06	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	---
सूर्य			धनु	22:05:45	01:01:11	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	02:29:55	11:53:42	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	सम राशि
मंगल			तुला	04:08:44	00:31:30	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
बुध	व		धनु	08:07:00	00:40:19	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
गुरु			धनु	03:35:22	00:13:19	मूल	2	19	गुरु	केतु	सूर्य	मूलत्रिकोण
शुक्र			वृश्चि	13:20:35	01:12:33	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	सम राशि
शनि			तुला	20:47:05	00:04:37	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	उच्च राशि
राहु	व		वृष	21:55:31	00:05:45	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	21:55:31	00:05:45	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	17:49:49	00:03:12	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
नेप			धनु	05:56:04	00:02:12	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	---
प्लूटो			तुला	08:15:59	00:01:01	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
दशम भाव			कर्क	17:59:53	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:37:46

लग्न-चलित

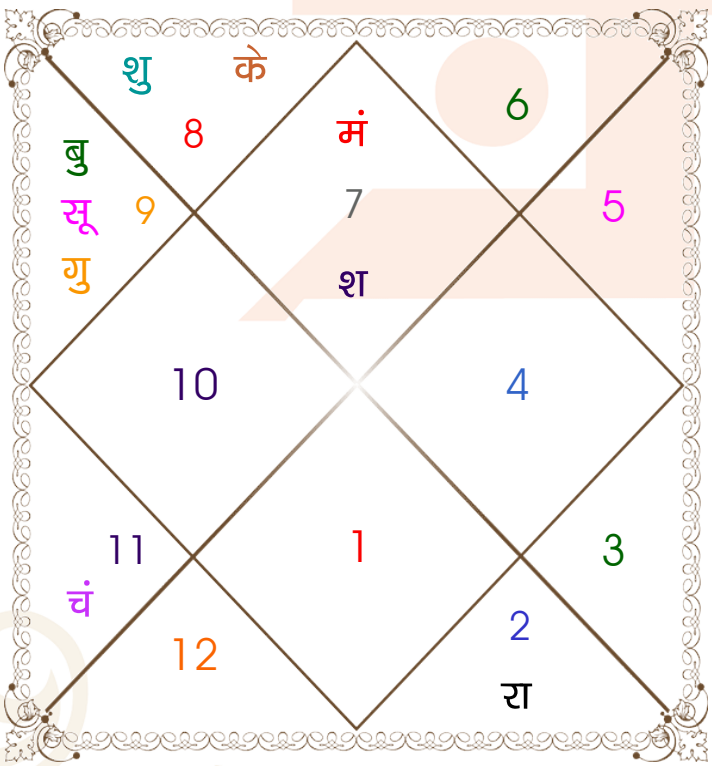

चन्द्र कुंडली

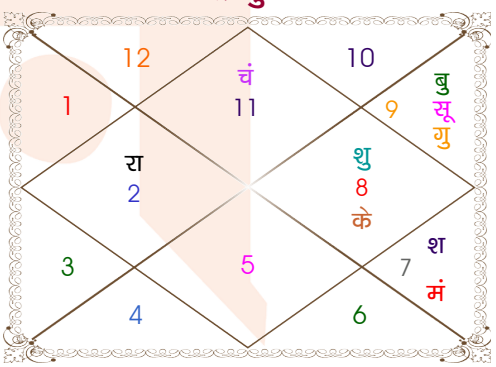

नवमांश कुंडली

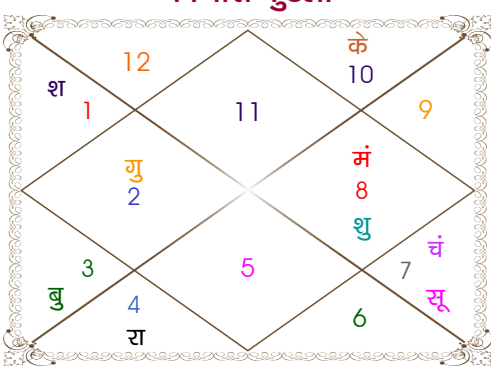

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 2 वर्ष 2 मास 7 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
07/01/1984		16/03/1986		15/03/2004		15/03/2020		16/03/2039	
16/03/1986		15/03/2004		15/03/2020		16/03/2039		15/03/2056	
	00/00/0000	राहु	26/11/1988	गुरु	04/05/2006	शनि	19/03/2023	बुध	12/08/2041
	00/00/0000	गुरु	22/04/1991	शनि	14/11/2008	बुध	26/11/2025	केतु	09/08/2042
	00/00/0000	शनि	26/02/1994	बुध	20/02/2011	केतु	05/01/2027	शुक्र	09/06/2045
	00/00/0000	बुध	14/09/1996	केतु	27/01/2012	शुक्र	07/03/2030	सूर्य	15/04/2046
	07/01/1984	केतु	03/10/1997	शुक्र	27/09/2014	सूर्य	17/02/2031	चंद्र	15/09/2047
केतु	08/02/1984	शुक्र	02/10/2000	सूर्य	16/07/2015	चंद्र	17/09/2032	मंगल	11/09/2048
शुक्र	09/04/1985	सूर्य	27/08/2001	चंद्र	14/11/2016	मंगल	27/10/2033	राहु	31/03/2051
सूर्य	15/08/1985	चंद्र	26/02/2003	मंगल	21/10/2017	राहु	02/09/2036	गुरु	06/07/2053
चंद्र	16/03/1986	मंगल	15/03/2004	राहु	15/03/2020	गुरु	16/03/2039	शनि	15/03/2056

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
15/03/2056		16/03/2063		16/03/2083		16/03/2089		16/03/2099	
16/03/2063		16/03/2083		16/03/2089		16/03/2099		00/00/0000	
केतु	12/08/2056	शुक्र	16/07/2066	सूर्य	04/07/2083	चंद्र	14/01/2090	मंगल	12/08/2099
शुक्र	12/10/2057	सूर्य	16/07/2067	चंद्र	02/01/2084	मंगल	15/08/2090	राहु	31/08/2100
सूर्य	16/02/2058	चंद्र	16/03/2069	मंगल	09/05/2084	राहु	14/02/2092	गुरु	07/08/2101
चंद्र	18/09/2058	मंगल	16/05/2070	राहु	03/04/2085	गुरु	15/06/2093	शनि	15/09/2102
मंगल	14/02/2059	राहु	15/05/2073	गुरु	20/01/2086	शनि	14/01/2095	बुध	13/09/2103
राहु	03/03/2060	गुरु	14/01/2076	शनि	02/01/2087	बुध	15/06/2096	केतु	08/01/2104
गुरु	07/02/2061	शनि	16/03/2079	बुध	09/11/2087	केतु	14/01/2097		00/00/0000
शनि	19/03/2062	बुध	14/01/2082	केतु	15/03/2088	शुक्र	14/09/2098		00/00/0000
बुध	16/03/2063	केतु	16/03/2083	शुक्र	16/03/2089	सूर्य	16/03/2099		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 2 वर्ष 2 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।